भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान

ICAR–Indian Institute of Farming Systems Research

मोदीपुरम, मेरठ–250 110 (उ०प्र०), Modipuram, Meerut - 250 110 (U.P)

फोन/Phone : 0121-288 8711, 288 8811, फैक्स/Fax : 0121-288 8546

मोबाईल /Mobile : 91-9436731850; ईमेल/Email: directoriifsr@yahoo.com

दिनांक– 19.12.2017

कृषि प्रणाली संस्थान में "जैविक खेती नेटवर्क परियोजना पर चल रहे दो दिवसीय वैज्ञानिक– समागम का समापन"

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ में दिनांक 18–19 दिसंबर, 2017 के दौरान जैविक खेती पर आयोजित दो दिवसीय समूह–समागम का आज समापन हो गया। डा. गया प्रसाद, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय मेरठ समापन समारोह के मुख्य अतिथि रहे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में जैविक खेती को देश की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के साथ–साथ मानव स्वास्थ्य, मृदा स्वास्थ्य, एवं पर्यावरण सुरक्षा के लिए जरूरी बताया। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों को जैविक खेती में फसलों के पोषण प्रंबधन हेतु आवश्यक गोबर, गोमूत्र व अन्य नवीन खादों की आवश्यक मात्रा का सही से आँकलन करने व उनकी उपलब्धता बढ़ाने हेतु शोध कार्यों की प्रगति तेज करने की सलाह दी। कृषि प्रणाली संस्थान के निदेशक डा. आजाद सिंह पँवार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा इस दो दिवसीय वैज्ञानिक समागम को बहुत ही सफल बताया। डा. पँवार ने देश में जैविक कृषि द्वारा खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण सुरक्षा सुनिश्चित करने में जैविक खेती नेटवर्क परियोजना के वैज्ञानिक शोध परिणामों व संस्तुतियों को मील का पत्थर बताया तथा यह भी बताया कि भविष्य में देश में जैविक खेती का क्षेत्रफल व किसानों की आय बढ़ाने में ये शोध परिणाम व संस्तुतियां महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

कार्यक्रम समन्वयक डा. एन. रविशंकर ने समागम की संक्षिप्त प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दो दिवसीय वैज्ञानिक समागम के दौरान देश भर के 16 राज्यों के 20 केन्द्रों से आये लगभग 35 वैज्ञानिकों ने अपने–अपने केन्द्रों द्वारा जैविक खेती पर हो रहे शोध कार्यों की

प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा इस दौरान जैविक कृषि पर शोध कार्यों की समीक्षा तथा उनके कार्यक्रम में सुधार पर भी चर्चा की गयी। जैविक खेती पर चल रहे प्रयोगों में यह पाया गया कि, जैविक तकनीक से कई फसलों जैसे धान, आलू, भिन्डी, सोयाबीन, चना सरसों व अन्य सब्जिों की उपज व किसान की आय में वृद्धि के साथ–साथ मृदा में पोषक तत्वों की उपलब्धता एवं मृदा के भौतिक, रासायनिक व जैविक गुणों में भी सुधार पाया गया। इन फसलों के उत्पादों में हानिकारक रासायनिक कीटनाशकों व अन्य जैवनाशियों का प्रयोग भी नहीं किया गया। इनके अतिरिक्त घुलनशील जैविक खादों द्वारा बिना रसायनों के कीट नियंत्रण, जैविक खेती में पंचगव्य के प्रयोग, नाशीजीव प्रतिरोधी पदार्थों का जैविक खेती में उपयोग, जैविक उत्पादों के प्रमाणीकरण आदि विषयों पर विशेषज्ञ वैज्ञानिकों व जैव उत्पाद कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा व्याख्यान भी दिये गये। समापन समारोह में आई.सी.ए.आर. रिसर्च कामप्लेक्स, उमियाम, मेघालय को उसके उत्कृष्ट कार्यों के लिए मुख्य अतिथि द्वारा प्रथम स्थान से सम्मानित भी किया गया। इस दौरान डा. एम. पी. सिंह, डा. एल. आर. मीणा, डा. पीयूस पुनिया ने विभिन्न तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की।

XII ANNUAL GROUP MEETING
NETWORK PROJECT ON ORGANIC FARMING
18 -19 December, 2017
Agriresearch with a human touch
Organized by
ICAR-Indian Institute of Farming Systems Research
Modipuram, Meerut-250 110 (U.P.)
Co-Chairman
Chairman
19.12.2017 09:42